THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF HEAVY INDUSTRY) (SMT KRISHNA S AHI): (a) and (b) The Empowered Committee on Foreign Investment at their meeting held on 14th February, 1994 have approved 50 proposals for foreign direct investment. These proposals envisage total foreign direct investment of over Rs. 700 crores. The approved projects are in sectors such as Electronics, Computer Software, Wind Energy parks, Electrial Goods, Consultancy services, Financial Services, Food Processing industries, Leather products, Foreign language institute, Flying Academy, Medical Equiments, Trading, Shipping, Textiles, Drugs & Pharmaceuticals etc.

Setting up of heavy industries in Tamil Nadu

551. SHRI S. AUSTIN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have received a number of propsals to establish core heavy indsutries in Tamil Nadu during the last three years;

(b) the action taken by Government thereon; and

(c) the places where these are likely to be established?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF HEAVY INDUSTRY) (SMT. KRISHNA SAHI): (a) 309 applications for grant of Industrial Licences were received during the years 1991 to 1993 for setting up of various industries in Tamil Nadu.

(b) 153 Letters of Intent were issued, 76 applications were rejected and 50 did not require licence/were withdrawn upto 1.2.94

(c) The proposed locations pertain mostly to districts i.e. Kamaraj, North Arcot, South Arcot, Madurai, Kanyakumari, Chingleput (Chengai Anna), Coimbatore, Madras, Salem, Tanjavur, etc.,

सरकारी क्षेत्र के रुग्ण उपक्रमों में छंटनी किये गये कर्मचारियों के लिए पुन: रोजगार

552. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि रुग्ण उपक्रमों के उन कर्मचारियों, जिनकी छंटनी किये जाने की संभावना है, को पुन: प्रशिक्षण देकर पुन; रोजगार पर लगाने हेतु कोई प्रयास नहीं किये गये हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान उन्हें पुन: प्रशिक्षण देकर उन्हें पुन: रोजगार पर लगाने के लिए की गई कार्यवाही का वर्षवार ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही): (क) से (ग) आवश्यक सामग्री एकत्र की जाएगी तथा सभा-पटल पर रख दी जाएगी।

ऐसी विदेशी कंपनियां जिन्हें उद्योग लगाने की अनुमति दी गई

553. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में किन-किन विदेशी कंपनियों को उद्योग लगाने की अनुमति प्रदान की गई है; और

(ख) वे कंपनियां किन-किन देशों से संबंधित हैं?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही): (क) और (ख) अगस्त, 1991 से दिसम्बर 1993 तक 30 विदेशी कंपनियों को भारत में पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी/उद्योग स्थापित करने की अनुमति दी गई है। इन विदेशी कंपनियों के नाम तथा संबंधित देशों के नाम संलग्ण विवरण में दिए गए हैं।